

निर्णय न्यायालय सहायक कलेक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी चित्तौड़गढ़

पीठालीन अधिकारी: श्यामसुन्दर बिश्नोई आर.ए.एल.

प्रमाण संख्या: 298/2019 प्रा.पत्र (2019/00472)

### अज्ञात

फैलाश पिता गोपीलाल भील निवासी बिछेर हाल फुकाम  
पंचवरी लती चित्तौड़गढ़

—जर्नी

बनाम

1- तुलसी देवा अंक भील निवासी मंगोरडा तहसील व जिला  
चित्तौड़गढ़ भूतक के वजाय -

1/1 जानीबाई पुत्री अंक भील निवासी मंगोरडा पत्नी हजारी भील  
निवासी अड़किया तहसील व जिला चित्तौड़गढ़

1/2 रतनीबाई पुत्री अंक भील निवासी मंगोरडा पत्नी शेख  
भील निवासी उदरी तहसील व जिला चित्तौड़गढ़

1/3 रबीबाई पुत्री अंक भील निवासी मंगोरडा तहसील  
व जिला चित्तौड़गढ़

2- बालू पिता अंक भील निवासी मंगोरडा तहसील व जिला  
चित्तौड़गढ़

3- जयराम पिता अंक भील निवासी मंगोरडा तहसील व  
जिला चित्तौड़गढ़

4- राहुलसिंह पिता उषारसिंह भीला विछेर के वजाय :-

4/1 पैसा पिता हेमा भील निवासी धारियावली तहसील व  
जिला चित्तौड़गढ़

4/2 अवंरलाल पिता शेमा भील निवासी भावरा तहसील  
व जिला चित्तौड़गढ़

5- रतना पिता नारक भील निवासी मंगोरडा तहसील व जिला चित्तौड़गढ़

6- डालू माता रानीबाई पिता तारक भील निवासी उदपुर  
तहसील व जिला चित्तौड़गढ़



(श्याम सुन्दर बिश्नोई)  
सहायक कलेक्टर एवं  
उपखण्ड अधिकारी  
चित्तौड़गढ़ (राज.)

लागतार्

- 7 - छगनी माता रामीबाई पिता तारुजी भीम निवळी अम्बळेची पोस्ट सारी तहसील व जिला चित्तौडगढ
- 8 - रुक्मा माता रामीबाई पिता तारुजी भीम पत्नी हीराजी भीम निवळी केरपुर पोस्ट उदपुरा तहसील व जिला चित्तौडगढ
- 9 - राजीबाई पिता केला भी पत्नी शंकर भी भीम निवळी एकलिंगपुरा तहसील व जिला चित्तौडगढ
- 10 - भूमिचारी तहसीलदार चित्तौडगढ

— विपक्षीगण

कार्यवाही :- अन्तर्गत धारा 251 ए आर.सी.ए.

- उपनिधि :- 1 - श्री यण्डेश्वरकर जोशी इस्तिवता प्राची  
2 - यशोदा गंग इस्तिवता विपक्षी 4/1



जिलाय

दिनांक 24/01/2022

संक्षेप में विवरण प्रकार इस प्रकार है कि प्राची ने विच्छेद विपक्षीगण प्राचीता पर अन्तर्गत धारा 251 ए आर.सी.ए. इस अध्याय का उल्लंघन किया कि ग्राम भंगोदडा प.ह. अजयपुरा भी आ.नं. 58 रकबा 1.90 हे. 57 रकबा 0.58 हे. व 64 रकबा 0.58 हे. प्राची की स्वतंत्रता को है. जिससे आने जाने खेती का कार्य करने एवं फसल लाने ले जाने के लिए आम रास्ते के आ.नं. 77 से लागते हुए प्राची की आराजीघात 57, 58, 64 के मध्य विपक्षीगण की आराजीघात है, प्राची की आराजी 58 वा काटा जाता है तथा अपने भवेशी एवं अपनी फसलों को लाने ले जाने का कार्य भी प्राची करता था, लेकिन विपक्षी उले अपनी आराजीघात में आने जाने नहीं देते हैं, उले धोर, बाड आदि लगाकर बन्द कर दिया है, जिससे प्राची अपने खेतका उपयोग उपयोग कर पाएत नहीं कर पा रहे हैं, जिसकी चौड़ाई 6 मीटर है तथा इसी चौड़ाई का रास्ता प्राची को विपक्षीगण

--- लगाता

(सहाय सुन्दर विरोध)  
सहायक कमिश्नर एवं  
उपखण्ड अधिकारी  
चित्तौड़गढ़ (राज.)

से आवश्यक्ता है। प्राची अपनी आराजी पर अपने-जागे हेड विपक्षी संख्या 1/1, 1/2, 1/3, 2 व 3 की आराजी संख्या 71 संख्या 0.75 हे. के दक्षिणी व उत्तरी दिशा के होर वाले सरवले मे होत हुआ विपक्षी संख्या 4/1, 4/2 की 87/301 संख्या 0.22 हे एवं विपक्षी संख्या 5 की खतेदारी आराजी संख्या 88 संख्या 0.19 हे. नम्बे से उत्तरी मेड से लगता हुआ तथा विपक्षी संख्या 6, 7, 8, 9 की खतेदारी आराजी नंब 79 संख्या 0.52 हे. के दक्षिणी मेड से लगता हुआ रास्ता किला नाम आराजी नम्बर 77 तक जाता है, जिसे विपक्षीगण ने बाधा उत्पन्न का शेषदिया है, जिल्ले प्राची अपनी आराजी नम्बर 57, 58, 64 पर कायत नही कर पा रहा है। प्राची के खामिल्व अस्पष्ट की कुषि भूमि पर जाने हेड कोई भी वैध एवं रेकार्डेड रास्ता विद्यमान नही है, प्राची को कदीमी रास्ते विद्यमान गाडी गडार के रास्ते से अपनी कुषि भूमि से इम्पर आरि ले जाने से परेशानी हो रही है, इसलिए प्राची प्राची रास्ता चौडाई मे 6 मीटर आराजी नम्बर 71, 88, 87/301, 79 के दक्षिणी व उत्तरी दिशा के होर पर प्राप्त करने का आदिकारी है, जिल्ले के लिए प्राची निवेदित राही विपक्षी को हटा करने को तत्पर बतथा है, जिल्ले के लिए यह प्राचीग पत्र वेश है।

प्राची ने विपक्षी को मौखिक रूप से रास्ते का 6 मीटर चौडा रास्ता आ. नं. 57, 58, 64 से आराजी संख्या 77 के मध्य की आराजीगत के मेड से लगते हुए देने को कहते हुए रेकार्डे से नम्बे से तस्मीम कराने के लिए कहा तो विपक्षी ने इस रास्ते को तस्मीम करने से दिनांक 25/6/2019 को मना कर दिया जिल्ले वार काय उत्पन्न होकर निरन्तर जारी है अस्त मे प्राचीना पत्र हकीकत जाभाया जाका आराजी नम्बर 57, 58, 64 से 77 के मध्य विपक्षीगण की आराजीगत के मेड के उत्तरी व दक्षिणी सरवले 6 मे रास्ता 6 मीटर चौडाई कदीमी रास्ते को रेवेन्यु रेकार्डे से दर्ज किये जाने का आदेश पदान फिर जाने बाधत निवेदन किया।



(सुभाष सुन्दर विश्वोई)  
 सहायक कलेक्टर एवं  
 उपखण्ड अधिकारी  
 चित्तोड़ (मि.)

--- लगता

प्रमाण दर्ज इजिस्टर किया जाकर विपक्षीयता को जरूर नोरीस तलब किया गया। विपक्षी सं. 5/1 केसा प्रिंत हेमा भील ने उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत किया। शेष विपक्षीयता के वाक्य सूचना उपस्थित नहीं होते पर उनके विरुद्ध रिनांक 19/31/2021 को एक पक्षीय कार्रवाई के आदेश दिए गए। मौका रिपोर्ट तलब किए जाने पर तहसीलदार बस्ती द्वारा जरूर क्रमांक। राजप। 219 रिनांक 14/12/2021 से मौका रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

तहसीलदार बस्ती द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के साथ प्राप्त पंचा मौका कगुजा मौके पर आ. सं. 57, 58, 64 में जाने हेतु रास्ता मौजूद नहीं है एवं पानी द्वारा चाहा गया रास्ता खेत नजदीक होकर छोटा है। पंचा मौका कगुजा आ. सं. 79 जो पुन्नीबाई-रानीबाई-राजीबाई पिता केसा 15/16 नारायणलाल पिता उदा 1/16 साग देह की होकर इन काशमी के रकम 0.52 हे. में 0.04 हे. रास्ता हेतु, आ. सं. 87/30, 88 पैसा पिता हेमाभील की होकर इनके रकम क्रमांक 0.22 व 0.13 हे. में 0.0450 व 0.0300 हे. रास्ता हेतु तथा आ. सं. 71 बालू-धर्मशाय पिता भंन 4/5, जानीबाई-राजीबाई-रानीबाई पिता भंन 1/5 भील साग देह की होकर इनके रकम 0.75 में 0.0900 हे. रास्ता हेतु प्रस्तावित की है। रास्ते हेतु कुल 0.2050 हे. भूमि प्रस्तावित की (जितनी DDC दर 3820/- प्रति एकर ले से गुना 156620/- रूपर कुल कीमत होना बताया है तथा प्रस्तावित रास्ते को नक्शे में जाल (घाही से दर्शाया गया है। मौका रिपोर्ट प्राप्त होते पर बहस प्रमाण लुनी गयी।

हमने पत्रावली का अवलोकन कर पार्श्वना पत्र, जवाब पार्श्वना पत्र एवं प्राप्त मौका रिपोर्ट का अध्ययन किया एवं बहस अखिपस्ता उभय पक्ष पर गहनता से मगन किया। तहसीलदार बस्ती द्वारा प्रस्तुत मौका जांच रिपोर्ट स्पष्ट एवं उचित प्रतीत होती है, जिससे पार्श्वना का पार्श्वना पत्र स्वीकार योग्य पाया जाता है।



(रजाम सुन्दर बिर्महं)  
सहायक कलेक्टर एवं  
उपखण्ड अधिकारी  
चिन्तौड़गढ़ (राज.)

अतः पार्सी व्हा पार्सिया वष हसब रिपोर्ट तहलीलदार वस्ती  
 स्वीकार किया जाकर पार्सी की ग्राम अंगोदडा स्थित झाराजी खंवा  
 57, 58, 64 पर आने वाले हेतु शास्ता कायम करके वाकत विधेशीगण  
 की आ. नं. 71 रकब 0.75 अं से 0.0900 है. आ. नं. 79 रकब  
 0.52 अं से 0.04 है. आ. नं. 87/301 रकब 0.22 अं से 0.0450 है.  
 तथा आ. नं. 88 रकब 0.19 अं से 0.0300 है. कुल 0.2050 है. कीकीमत  
 डी. एल. सी. दर 3820/- रुपर प्रति एयर के हिसाब से दो गुना  
 कुल राशि 156620/- रुपर का भुगतान आसजे खंवा 71, 79,  
 87/301, 88 के खतेदारग को किर जाने पर आ. नं. 71 अं से 0.0900 है.  
 आ. नं. 79 अं से 0.0400 है. आ. नं. 87/301 अं से 0.4500 है. तथा  
 आ. नं. 88 अं से 0.0300 है. कुल 0.2050 है. भूमि को किलानाम  
 शास्त्र दर्ज करने की खीकृति दी जाती है एवं उक्त भूमि को  
 फिलम शास्त्र दर्ज किर जाने के अलेख रिर जाते हैं। पार्सी को  
 को अलेख रिरा जाता है कि उक्त राशि 156620/- रुपर का  
 भुगतान आ. नं. 71, 79, 87/301, 88 के खतेदारग को करने हेतु  
 उनके नाम के हिस्सेगुनार राशि के ड्रफ्ट खंवा का भुगतान तहलीलदार  
 वस्ती के अर्कत किर जाने हेतु पस्तुत करें। ड्रफ्ट पस्तुत होने  
 पर भुगतान हेतु तहलीलदार वस्ती को मय निर्लेख की प्रति  
 तथा भौका रिपोर्ट के साथ प्राप्त गबशा इस जिलसे पस्तुत किर  
 शास्त्र दर्शाया गया की प्रति के प्रेषित कर लिखा जावे कि  
 सम्बन्धित को भुगतान के पश्चात राजा रेकार्ड में पस्तुत  
 शास्त्र की भूमि को किलानाम शास्त्र दर्ज कर भौका रिपोर्ट के  
 साथ प्राप्त गबशा अनुदा रेकार्ड में तस्मीम किया जावे।



निर्णय लिखवाया जाकर स्पे इजाजत सुनाया गया।

(सुभाष सुन्दर विश्वाह)  
 सहायक कलेक्टर एवं  
 उपखण्ड अधिकारी  
 चित्तौड़गढ़ (राज.)